बिहार स्पेशल

लोक शिकायत निवारण में सुपौल शीर्ष पर

चर्चा में क्यों?

- बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी ने अक्टूबर, 2024 की रैंकिंग जारी को है।इस **रैंकिंग में सुपौल अबल तो करिहार फिसड्डी है।**
- इस रिपोर्ट के अनुसार लोक शिकायत निवारण में **पटना 16वें नंबर पर** पहुंच गया है। पिछले कुछ महीने से पटना ठाप टेन में शुमार रहता था। गया तो इस रैंकिंग में अंतिम पायदान बानी 37वें नंबर पर हैं। इससे पीछे केवल कटिहार(38 वें) है।
- बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में छोटे- छोटे जिले बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।
- प्रमंडलीय मुख्यालय वाले जिलों में पूर्णिया एवं भागलपुर को छोड़ दें तो अन्य की उपलब्धि संतोषजनक नहीं मानी जा सकती। खासकर दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गया जैसे जिले तो काफी पीछे चल रहे हैं।
- **रैंकिंग का आधार**
  - समय- सीमा में निष्पादन,
  - लोक प्राधिकारी की उपस्थिति,
  - प्रथम व द्वितीय अपील के मामलों के निष्पादन,
  - दंड वसूली समेत अलग-अलग बिंदुओं पर जिले की प्राप्ताक दिए गए है।

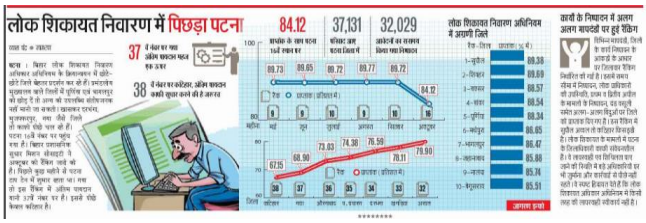

रिपोर्ट : टेली मेडिसिन में गोपालगंज प्रदेश में अव्वल

चर्चा में क्यों?

टेली मेडिसिन में गोपालगंज राज्य में शीर्ष जिला चुना गया है आया है।

- स्वास्थ्य विभाग ने अक्टूबर, 2024 और नवंबर,2024 में हुए टेली मेडिसिन को तुलनात्मक रिपोर्ट भी जारी की ।
- रिपोर्ट के अनुसार नवंबर महीने में गोपालगंज में 128 प्रतिशत मरीजों का टेली मेडिसिन से इलाज किया गया था। वहीं, मुजफ्फरपुर जिले में 36 प्रतिशत मरीजों का इलाज हुआ और मुजफ्फरपुर इसमें सबसे पिछड़ा जिला रहा है।
- स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, गोपालगंज में बीते नवंबर महीने में 142 प्रतिशत मरीजों का इलाज टेलीमेडिसिन से किया गया है। वहीं, मुजफ्फरपुर में बीते माह 31 प्रतिशत मरीजों का ही टेली मेडिसिन से इलाज हो सका है।
- मुजफ्फरपुर के अलावा उत्तर बिहार के अन्य जिले भी इसमें फिसड्डी हैं। शिवहर में नवंबर महीने में 37 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 23 प्रतिशत, मधुबनी में 37 प्रतिशत, सीतामढ़ी में 46 प्रतिशत ही टेली मेडिसिन से इलाज किया जा सका है।

राजव्यवस्था एवं शासन

'बीमा सखी योजना'

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री ने पानीपत में **'बीमा सखी योजना'** का शुभारंभ किया।
- **भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी)** की यह पहल 18-70 वर्ष की आयु की उन महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई है, जो दसवीं कक्षा पास हैं।
- वित्तीय साक्षरता और बीमा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उन्हें पहले तीन वर्षों के लिए विशेष प्रशिक्षण और वजीफा दिया जाएगा।
- प्रशिक्षण के बाद, वे एलआईसी एजेंट के रूप में काम कर सकती हैं और स्नातक बीमा सखियों को एलआईसी में विकास अधिकारी की भूमिका के लिए अर्हता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

- प्रधानमंत्री ने भावी बीमा सखियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी वितरित किया।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

मादक द्रव्यों पर संयुक्त राष्ट्र आयोग

खबरों में क्यों?

भारत को नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) के 68वें सत्र की अध्यक्षता के लिए चुना गया है।

अर्थव्यवस्था

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक ट्रिलियन डालर के पार

चर्चा में क्यों?

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह **अप्रैल 2000 से सितंबर 2024** के दौरान 1,000 अरब डालर (एक ट्रिलियन डालर को पार कर गया है।

- इससे वैश्विक स्तर पर सुरक्षित और प्रमुख निकेश गंतव्य के रूप में देश की प्रतिष्ठा को मान्यता मिलती है।
- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के आंकड़ों के अनुसार इक्विटी, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित एफडीआइ की कुल राशि इस अवधि के दौरान 1,033.40 अरब डालर रही।
- आंकड़ों के मुताबिक लगभग **25 प्रतिशत एफडीआइ मारीशस** के जरिये आया। इसके बाद सिंगापुर (24 प्रतिशत), अमेरिका (10 प्रतिशत), नीदरलैंड्स (सात प्रतिशत), जापान (छह प्रतिशत), ब्रिटेन (पांच प्रतिशत), बूएई (तीन प्रतिशत) और केमैन आइलैंड्स, जर्मनी और साइप्रस की हिस्सेदारी रही।
- इस दौरान भारत को मारीशस से 177.15 अरब डालर, सिंगापुर से
- पिछले दस सालों में 667.40 अन्य डलर का एफआइ आवा, यह 2004-14 के दौरान आए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से 119% अधिक
- 167.47 अरब डालर और अमेरिका से 67.8 अरब डालर मिले।
- **इनमें से ज्यादातर निवेश सेवा क्षेत्र**, कंप्यूटर साफ्टवेयर और हार्डवेयर दूरसंचार, व्यापार, निर्माण विकास, आटोमोबाइल, रसायन और दवा क्षेत्र में आया।
- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार 2014 से भारत ने 667.4 अरब डालर (2014-24) का कुल एफडीआइ प्रवाह आकर्षित किया है, जो पिछले दशक (2004- 14) की तुलना में 119 प्रतिशत अधिक है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 उपग्रह

चर्चा में क्यों?

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 5 दिसंबर, 2024 को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी)-सी59 रॉकेट पर यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

- पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 मिशन, पीएसएलवी की 61वीं उड़ान और ईएसए के प्रोबा-3 उपग्रहों (~550 किग्रा) को अत्यधिक अण्डाकार कक्षा में ले जाने वाली पीएसएलवी-एक्सएल कॉन्फ़िगरेशन का उपयोग करने वाली 26वीं उड़ान, भारत के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी-एसएचएआर) के प्रथम लॉन्च पैड (एफएलपी) से उड़ान भरती है।
- प्रोबा-3 यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी का इन-ऑर्बिट डेमोस्ट्रेशन (आईओडी) मिशन है। मिशन का लक्ष्य सटीक फॉर्मेशन उड़ान का प्रदर्शन करना है।
  - इसमें 2 अंतरिक्ष यान शामिल हैं, अर्थात कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट (सीएससी) और ऑकुल्टर स्पेसक्राफ्ट (ओएससी)

इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (IIGF) 2024

चर्चा में क्यों?

इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (IIGF) 2024 9-10 दिसंबर, 2024 को भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर, **प्रगति मैदान, नई दिल्ली** में आयोजित किया जा रहा है।

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) और नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया (NIXI) द्वारा समर्थित।
- भारत के बहु-हितधारक समुदाय द्वारा की गई इस पहल का उद्देश्य इंटरनेट गवर्नेंस के महत्वपूर्ण पहलुओं का पता लगाना, सार्थक संवाद को बढ़ावा देना और वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में भारत के नेतृत्व को उजागर करना है।
- इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री **जितिन प्रसाद** ने किया।
- विषय: **"भारत के लिए इंटरनेट गवर्नेंस में नवाचार।"**

रक्षा एवं सुरक्षा

आईएनएस तुशील भारतीय नौसेना में शामिल

चर्चा में क्यों

भारतीय नौसेना ने 9 दिसंबर 2024 को **रूस के कलिनिनग्राद** में एक स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील को कमीशन किया।

- आईएनएस तुशील उन्नत भारतीय और रूसी तकनीकों की विशेषता के साथ, यह नौसेना के पश्चिमी बेड़े को मजबूत करता है।
- जहाज का नाम, तुशील, का अर्थ है **'रक्षक कवच'** और इसका शिखर **'अभेद्य कवच'** (अभेद्य ढाल) का प्रतिनिधित्व करता है।
- आईएनएस तुशील परियोजना 1135.6 का एक उन्नत क्रिवाक III श्रेणी का फ्रिगेट है, जिसमें से छह पहले से ही सेवा में हैं - तीन तलवार श्रेणी के जहाज, जो सेंट पीटर्सबर्ग के बाल्टीस्की शिपयार्ड में निर्मित हैं, और तीन अनुवर्ती टेग श्रेणी के जहाज, जो कलिनिनग्राद के यंतर शिपयार्ड में निर्मित हैं।
- श्रृंखला में सातवां आईएनएस तुशील, दो उन्नत अतिरिक्त अनुवर्ती जहाजों में से पहला है, जिसके लिए अनुबंध पर अक्टूबर 2016 में जेएससी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट, भारतीय नौसेना और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षर किए गए थे।

सूचकांक एवं रिपोर्ट

भारत में विश्व के तीसरे सबसे ज्यादा अरबपति

चर्चा में क्यों?

अमेरिका स्थित रेटिंग एजेंसी **यूबीएस की बिलेनियर एंबीशन्स रिपोर्ट** के अनुसार भारत में अरबपतियों की संख्या बढ़कर 185 हो गई है। **अमेरिका और चीन के बाद यह सबसे अधिक संख्या** है।

- एक वर्ष के भीतर इन अरबपतियों की दौलत में 42 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।
- बिलेनियर एबीशन्स रिपोर्ट के मुताबिक, सालभर में भारत ने 32 नए अरबपत्ति जोड़े हैं। 2015 के बाद से, देश में अरबपतियों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि यह आर्थिक क्षेत्र में भारत के लगातार बढ़ते कदमों की दिखाता है। अनुमान है कि अगले दशक में भारत में अरबपतियों की संख्या चीन के बराबर हो जाएगी। हालांकि, इस बीच चीन में अस्वपति घट भी रहे हैं।

- अमेरिका में अरबपतियों की संख्या 835 और चीन में 427 है। अमेरिका में इस साल 84 लोग अरबपत्तियों की सूची में जुड़े।
- हालांकि, चीन में अरबपतियों की संख्या में गिरावट देखी गई। चीन में इस साल 93 अरबपति कम हुए हैं।
- वहीं, वैश्विक स्तर पर अस्बपतियों की संख्या 2015 में 1,757 से बढ़कर 2024 में 2.682 हो गई है।

❍❍❍❍

PW Web/App: https://smart.link/7wwosivoicgd4
For more such content, subscribe to our Telegram Channelhttps://t.me/pw_upsc
PSC WALLAH